B.A. HONS. Vedalankar 3rd Semester Semester Exam 2021

कोड- HVL-C302

प्रश्न-पत्र का नाम- वैदिक व्याकरण

समय- 3 घण्टे **अधिकतम अंक-70**

नोट- प्रश्न-पत्र दो खण्डों ए एवं बी में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'ए'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

प्रश्न 1 **"दन्तमूलीयस्तु" सूत्र की व्याख्या करो।**
प्रश्न 2 **स्वरित स्वर की सूत्र की व्याख्या करो।**
प्रश्न 3 **"अक्षरसमूह पदम्" सूत्र की व्याख्या करो।**
प्रश्न 4 **"अनुस्वारों व्यञ्जनं स्वरो वा " सूत्र की व्याख्या करो।**
प्रश्न 5 **"हलोऽनन्तरा संयोगः" सूत्र की व्याख्या करो।**
प्रश्न 6 **"बहुलं छन्दसि" सूत्र की व्याख्या करो।**
प्रश्न 7 **उदात्त स्वर की सूत्र सहित व्याख्या करो।**
प्रश्न 8 **हल् प्रत्याहार के सभी वर्णों को लिखो।**
प्रश्न 9 **"इदन्तोमसि" सूत्र की व्याख्या करो।**
प्रश्न 10 **"अदर्शनं लोप " सूत्र की व्याख्या करो।**

खण्ड 'बी'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है

प्रश्न 11 **प्रातिशाख्यों का वेदभाष्य करने में क्या योगदान है? निबन्ध लिखो।**
प्रश्न 12 **वैदिक स्वरों के विषय पर प्रकाश डालो।**
प्रश्न 13 **कात्यायन के अनुसार पदचतुष्टय की व्याख्या करो।**
प्रश्न 14 **वर्णोच्चारण शिक्षा पुस्तक का सारांश लिखो।**
प्रश्न 15 **वाजसनेयी प्रातिशाख्य के अष्टम अध्याय का सारांश लिखो।**
प्रश्न 16 **पदपाठ के नियमों को लिखो।**
प्रश्न 17 **वैदिक व्याकरण और लौकिक व्याकरण में अन्तर स्पष्ट करो।**
प्रश्न 18 **ऋग्वेद प्रातिशाख्य के प्रथम पटल की विषयवस्तु का प्रतिपादन करों।**